

23/6

आज यह था। सुनकर मैं (पुनः) अर्थात् न।
युवक वरुण विद्वान् हो जाने पर अर्थात् न। अतः
एतद्विषय विषय जाना ही था। नमः कर्मविवेक
अनन्तकर्म वस्तुतः अतः न। अर्थात् न।
अतः मैं विषय जाना सुनकर